**बंधक सम्पत्ति के परिरोधन अथवा विक्रय करने का वाद**

**(Suit for fore Closure or Sale)**

**प्रारूप संख्या 45 परिशिष्ट A-CPC देखें**

न्यायालय ............

वाद संख्या ............ सन् .......

 अ० ब० स० ............ वादी

**बनाम**

स०द० फ० ............ प्रतिवादी

उपरोक्त नामित वादी निम्न प्रकार सविनय निवेदन करता है :

1. यह कि वादी प्रतिवादी की भूमि का बंधक ग्रहीता (morgagee) है।

2. यह कि गिरवी सम्बन्धी विवरण निम्न प्रकार है

 (क) दिनांक .......

 (ख) बंधक कर्ता और बंधक ग्रहीता के नाम व पते ....

 (ग) आरक्षित धनराशि

 (घ) ब्याज की दर

 (ड) बंधक सम्पत्ति का विवरण

 (य) धनराशि जो अब वाजिब है

 (ज) यदि वादी को सम्पत्ति की मिलकियत से वंचित रखा जाता है तो यहाँ उस अंतरण का विवरण दें जिसके तहत वह माँग करता है। (यदि वादी कब्जे सहित बंधक ग्रहीता है तो इस तथ्य को भी जोड़ें)

3. यह कि वादी द्वारा बंधक सम्पत्ति का कब्जा दिनांक ............ को लिया गया था और उसे तभी से कब्जे के साथ बंधक ग्रहीता की तरह से रखे हुए है। \_\_\_4. यह कि (यहाँ पर वे तथ्य दिये जायें) जिनसे वाद का कारण उत्पन्न हुआ और न्यायालय को क्षेत्राधिकार प्राप्त है।

5. यह कि वाद का मूल्यांकन क्षेत्राधिकार वास्ते रु० ......है तथा न्याय शुल्क वास्ते रु० ... है। और तदानुसार न्याय शुल्क का भुगतान किया जाता है।

**अनुतोष की माँग :**

उपरोक्त नामित वादी निम्नांकित अनुतोष की माँग करता है :

1. कुल धनराशि का भुगतान अथवा भुगतान के अभाव में सम्पत्ति के परिरोधन अथवा विक्रय करने का अधिकार और उसका कब्जा दिलाया जाए।
2. उस दशा में यदि सम्पत्ति के विक्रय करने से देय धन की पूर्ति नहीं होती तो वादी को शेष धन की डिक्री प्राप्त करने का अधिकार दिलाया जाए।

**वादी….**

**द्वारा अधिवक्ता…..**

**सत्यापन**

मैं कि ............ वादी प्रमाणित करता हूँ कि वाद के पैरा 1 से 3 मेरी निजी जानकारी के आधार पर सत्य हैं तथा पैरा 4 व 5 कानूनी सलाह पर आधारित हैं जो मेरे विश्वास में सत्य हैं।

**सत्यापन :- दिनांक ............दिन….स्थान…….(वादी)**